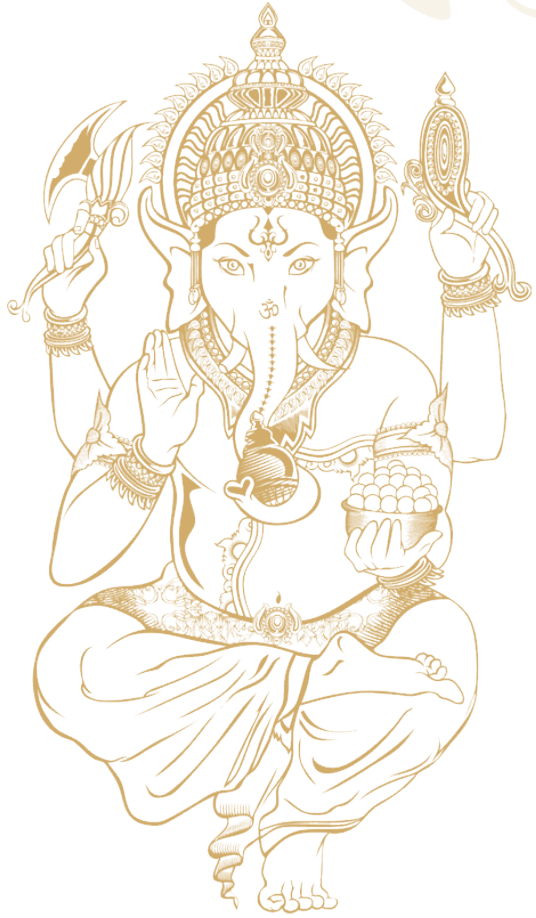

ANITA SHARMA

24 May 1991

02:00 PM

Karoli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121104804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/05/1991**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	21:03:11 घटी
स्थान	**Karoli**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:00:00 उत्तर
रेखांश	76:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:35:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:41:38 घंटे
सूर्योदय	05:34:43 घंटे
सूर्यास्त	19:07:23 घंटे
दिनमान	13:32:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	08:56:58 वृष
लग्न के अंश	02:07:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:07:55	324:38:20	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			वृष	08:56:58	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	21:59:19	12:42:50	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	04:59:54	00:34:59	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			मेष	16:06:52	01:29:01	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			कर्क	14:06:02	00:08:39	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			मिथु	23:02:30	01:04:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मक	13:03:32	00:00:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	26:20:32	00:06:44	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	26:20:32	00:06:44	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:33:34	00:01:38	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:42:01	00:01:03	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:51:23	00:01:37	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	02:02:54	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:27

लग्न-चलित

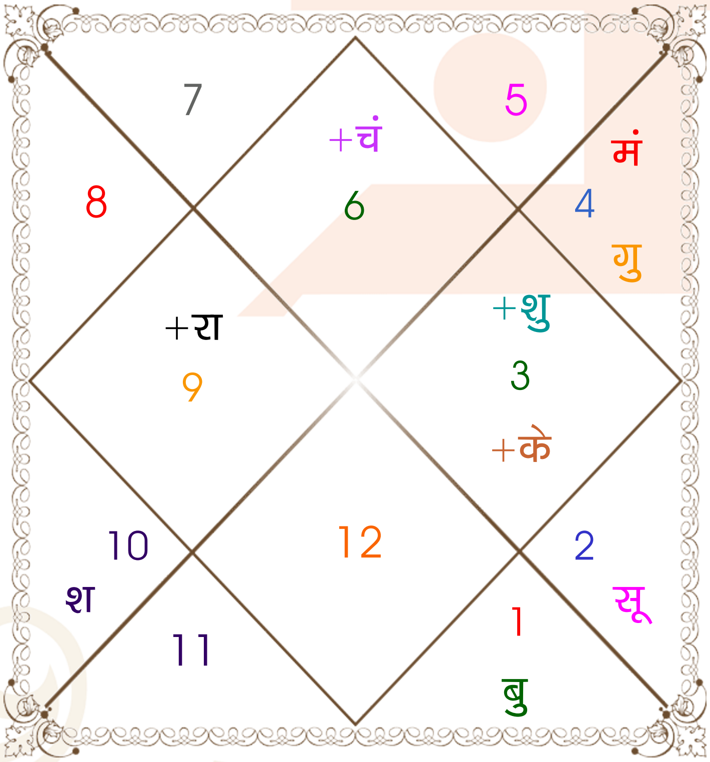

चन्द्र कुंडली

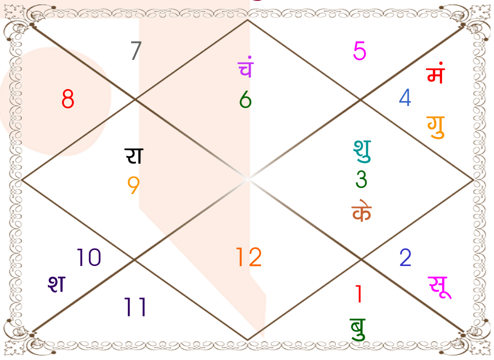

नवमांश कुंडली

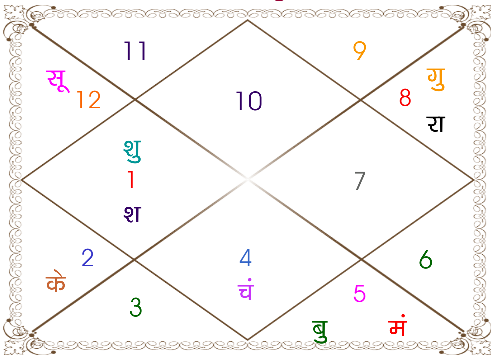

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 0 मास 3 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
24/05/1991	**26/05/1992**	**27/05/1999**	**27/05/2017**	**27/05/2033**
26/05/1992	**27/05/1999**	**27/05/2017**	**27/05/2033**	**26/05/2052**
00/00/0000	मंगल 23/10/1992	राहु 06/02/2002	गुरु 15/07/2019	शनि 30/05/2036
00/00/0000	राहु 10/11/1993	गुरु 02/07/2004	शनि 25/01/2022	बुध 07/02/2039
00/00/0000	गुरु 17/10/1994	शनि 09/05/2007	बुध 02/05/2024	केतु 17/03/2040
00/00/0000	शनि 26/11/1995	बुध 25/11/2009	केतु 08/04/2025	शुक्र 18/05/2043
00/00/0000	बुध 22/11/1996	केतु 14/12/2010	शुक्र 08/12/2027	सूर्य 29/04/2044
00/00/0000	केतु 20/04/1997	शुक्र 14/12/2013	सूर्य 25/09/2028	चंद्र 28/11/2045
24/05/1991	शुक्र 20/06/1998	सूर्य 07/11/2014	चंद्र 25/01/2030	मंगल 07/01/2047
शुक्र 26/11/1991	सूर्य 26/10/1998	चंद्र 08/05/2016	मंगल 01/01/2031	राहु 13/11/2049
सूर्य 26/05/1992	चंद्र 27/05/1999	मंगल 27/05/2017	राहु 27/05/2033	गुरु 26/05/2052

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
26/05/2052	**27/05/2069**	**26/05/2076**	**26/05/2096**	**28/05/2102**
27/05/2069	**26/05/2076**	**26/05/2096**	**28/05/2102**	**00/00/0000**
बुध 23/10/2054	केतु 23/10/2069	शुक्र 26/09/2079	सूर्य 13/09/2096	चंद्र 28/03/2103
केतु 20/10/2055	शुक्र 23/12/2070	सूर्य 25/09/2080	चंद्र 15/03/2097	मंगल 27/10/2103
शुक्र 20/08/2058	सूर्य 30/04/2071	चंद्र 27/05/2082	मंगल 21/07/2097	राहु 27/04/2105
सूर्य 27/06/2059	चंद्र 29/11/2071	मंगल 27/07/2083	राहु 14/06/2098	गुरु 27/08/2106
चंद्र 25/11/2060	मंगल 26/04/2072	राहु 27/07/2086	गुरु 02/04/2099	शनि 28/03/2108
मंगल 22/11/2061	राहु 15/05/2073	गुरु 27/03/2089	शनि 15/03/2100	बुध 27/08/2109
राहु 11/06/2064	गुरु 20/04/2074	शनि 26/05/2092	बुध 20/01/2101	केतु 28/03/2110
गुरु 17/09/2066	शनि 30/05/2075	बुध 27/03/2095	केतु 28/05/2101	शुक्र 25/05/2111
शनि 27/05/2069	बुध 26/05/2076	केतु 26/05/2096	शुक्र 28/05/2102	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।